9) बीजक मुल्य को समायोजित करने के लिए आवश्यक लेखे बताइए।

समायोजन के लेखे :

• शाखा के प्रारंभिक स्टॉक के लिए

Stock Reserve A/C —— Dr.
To Branch A/C

(Being the adjustment of excess price of the opening stock of goods at Branch made)

• शाखा के अन्तिम स्टॉक के लिए

Branch A/C → Dr.
To stock ~~Reserve~~ Reserve A/C

(Being adjustment of excess price of the closing stock of goods at Branch made)

• भेजे हुए माल के लिए

Goods supplied to Branch A/C — Dr
To Branch A/C

(Being adjustment of excess price of goods supplied to Branch A/C).

• शाखा द्वारा माल वापसी के लिए

Goods supplied A/C —— Dr
To Branch A/C

(Being Goods returned by Branch)

Scanned with CamScanner

Q शाखा और विभाग में क्या अंतर है? 6

SN	शाखा (Branch)	विभाग (Department)
1. स्थान (Place)	यदि व्यवसाय के विभिन्न भाग भिन्न भिन्न स्थानों या नगरों में स्थित हैं तो उसे शाखा कहते हैं।	यदि व्यवसाय के अनेक भाग एक ही स्थान पर स्थित हैं तो उसे विभाग कहा जाता है।
2. उद्देश्य Objects	शाखाएँ ग्राहकों के पास पहुँचने तथा बिक्री बढ़ाने के लिए खोली जाती है।	विभागों को कार्यालय की कार्यक्षमता को बढ़ाने एवं कार्य को संचालित करने के लिए बनाया जाता है।
3) लेखांकन Accounting	शाखाएँ अलग अलग स्थानों पर होती है इसलिए इनके लेखे अलग-अलग होती है।	विभागिय लेखे एक स्थान पर रहते है
4) प्रबन्ध (Management)	प्रत्येक शाखा का एक मैनेजर होता है जो उत्तरदायी होता है।	प्रत्येक विभाग का एक अध्यक्ष होता है जो, उत्तरदायी होता है।
5) देशी एवं विदेशी	शाखाएं देशी एवं विदेशी दोनों हो सकती है।	विभाग केवल देशी होती है।
6) निर्भरता Dependnce	एक शाखा दूसरे पर बहुत कम निर्भर रहती है।	विभाग प्रायः दूसरे विभाग पर निर्भर रहते है।
7) स्वतंत्रता Independnce	शाखाएँ में कुछ शाखा स्वतन्त्र होती है	विभाग स्वतन्त्र नहीं होती है।

Scanned with CamScanner

यह प्रतिशत कुछ निश्चित नियम तथा अनुभव के आधार पर मुख्य कार्यालय द्वारा अनुमानित रूप से जोड़ी जाती हैं। ये शाखाएँ माल को नगद एवं उधार दोनों प्रकार से बेच सकती है।

Q:- जब मुख्य कार्यालय से शाखा को बीजक मुल्य पर माल भेजा जाता है तो मुख्य कार्यालय की पुस्तकों में क्या लेखे किए जाते हैं ?

बीजक मुल्य पर लेखे करने की विधी

- माल भेजने पर

Branch A/c — Dr.
To Goods supplied A/c

- अन्तिम स्टॉक के लिए

Stock at Branch A/c — Dr
To Branch A/c

- रोकड़ भेजने पर

Branch A/c — Dr
To Cash A/c

- शाखा से रोकड़ प्राप्त करने पर

Cash A/c — Dr
To Branch A/c

Scanned with CamScanner

2) आश्रित शाखाएँ कितने प्रकार की होती है? समझाइए ।

आश्रित शाखाओं में माल को मुख्य कार्यालय द्वारा प्राप्त होती है। इन शाखाओं द्वारा लाभ-हानि खाते नहीं बनाई जाती है तथा ना ही कोई विशेष लेखांकन का कार्य करती है।

आश्रित शाखाएँ दो प्रकार की होती है जो निम्नलिखित है :-

(i) लागत मुल्य पर माल प्राप्त करने वाली शाखाएँ :-

ये शाखाएँ मुख्य कार्यालय से लागत मुल्य पर माल प्राप्त करती है तथा उसकी बिक्रि नगद में करती है एवं मुख्य कार्यालय के आदेशानुसार उधार बिक्रि भी करती है माल बिक्रि से प्राप्त रकम को मुख्य कार्यालय भेज देती है। इस शाखा द्वारा जो व्यय किए जाते हैं उसके लिए मुख्य कार्यालय द्वारा रोकड़ भेज दी जाती है। शाखा को अपने व्यय को नगद बिक्रि से काटने का अधिकार नहीं है।

(ii) बीजक मुल्य पर माल प्राप्त करने वाली शाखाएँ :-

इन शाखाओं को मुख्य कार्यालय से बीजक मुल्य पर माल प्राप्त होता है। बीजक का अर्थ, लागत मुल्य में कुछ प्रतिशत जोड़कर प्राप्त किया गया मुल्य।

CS Scanned with CamScanner

के सम्बन्ध में विस्तृत लेखांकन मुख्य (3)
कार्यालय की पुस्तकों में की जाती है।

(2) स्वतंत्र शाखाएँ (Independent Branches):-
इन शाखाओं को माल मुख्य कार्यालय द्वारा भेजा जाता है, परन्तु फिर भी उन्हें स्वतन्त्रता होती है कि आवश्कता पड़ने पर माल को स्वयं क्रय करें तथा इसके संबन्ध में उचित व्यय करें। बिक्री द्वारा प्राप्त रकम इन शाखाओं द्वारा अपने पास रखी जाती है। वर्ष के अन्त में तलपट, व्यापारिक खाता, लाभ-हानि खाता एवं चिट्ठा बनाती है तथा समामेलन के लिए मुख्य कार्यालय भेज देती है।

(3) विदेशी शाखाएँ (Foreign Branches):-
ये शाखाएँ उपर्युक्त शाखाओं की तरह आश्रित एवं स्वतंत्र हो सकती है, परन्तु अधिकांश स्वतंत्र ही होती है तथा स्वयं लेखा पुस्तकें रखती है। एक निश्चित अवधि के बाद तलपट बनाती है जो विदेशी मुद्रा में होती है। जब इसे मुख्य कार्यालय भेजा जाता है तो अपने देश की मुद्रा में परिवर्तित करने के बाद ही समामेलन करता है।

CS Scanned with CamScanner

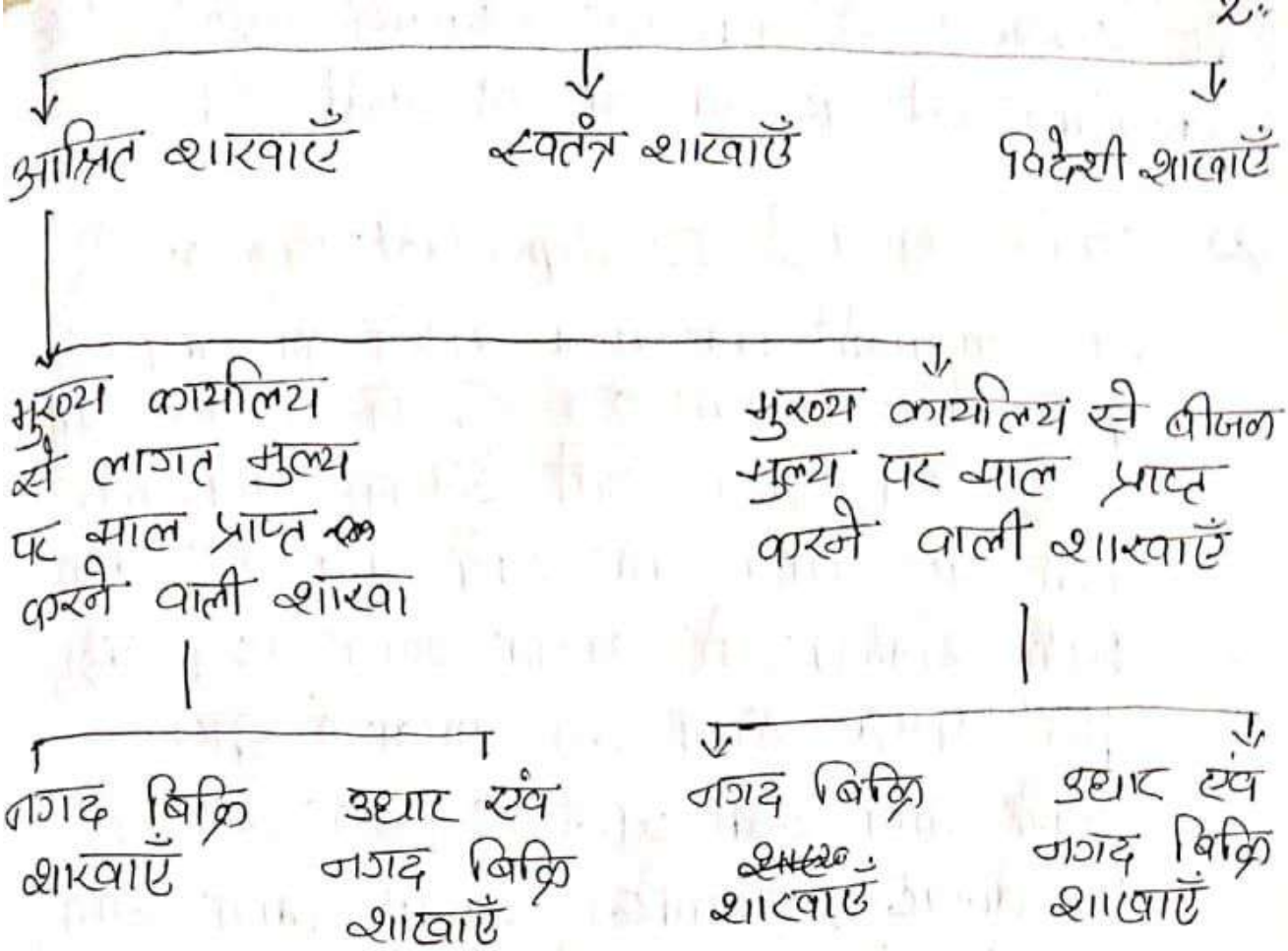

(i) आश्रित शाखाएँ :- इन शाखाओं को बेचने के लिए माल मुख्य कार्यालय से भेजा जाता है। इनके सेवाओं की पूर्ति, व्यय भुगतान आदि सब मुख्य कार्यालय द्वारा किया जाता है। इनकी नितियां मुख्य कार्यालय द्वारा निर्धारित की जाती है। बाजार से माल खरिदने के लिए इस ~~शाखा~~ शाखा को मुख्य कार्यालय से आज्ञा लेनी होती है। ये शाखाएँ माल को नगद बेचती है तथा आदेशानुसार उधार भी बेच सकती है। ये शाखाएँ लाभ-हानि खाता नहीं बनाती है और ना ही कोई विशेष लेखांकन का कार्य करती है। इस शाखा

Scanned with CamScanner

Q
1) शाखाओं का वर्गीकरण विभिन्न । शाखाओं के विभिन्न प्रकार बताइए ।

> अधिकतर व्यापारिक संस्थाओं के द्वारा माल को विभिन्न स्थानों पर बेचने के लिए शाखाएँ खोलती है जो देश तथा विदेश के विभिन्न स्थानों में खोली जाती है। माल के विक्रय हेतु शाखाओं को विभिन्न वर्गों में वर्गीकृत किया जाता है। व्यापारिक संस्थाओं का मुख्य कार्यालय होता है जिसके अंतर्गत अन्य शाखाओं को संचालित किया जाता है।

व्यापारिक संस्थाओं के शाखाओं द्वारा मुख्य कार्यालय से निम्न कार्य होते हैं :-

- मुख्य कार्यालय से लागत मुल्य पर माल प्राप्त करने वाली शाखाएँ ।
- मुख्य कार्यालय से बीजक मुल्य पर माल प्राप्त करने वाली शाखाएँ ।
- नगद बिक्री करने वाली शाखाएँ
- नगद तथा उधार में बिक्री करने वाली शाखाएँ

शाखाओं के प्रकार :—

शाखाएँ प्राय : निम्नांकित प्रकार की होती है :-

Scanned with CamScanner